से घटित परिघटनाओं का अध्ययन संभव होता है।

समाज मनोविज्ञान की विधि के रूप में सर्वेक्षण का मूल्यांकन (Evaluation of survey as a method of Social Psycho

गुण (Merits) :⇒ सर्वेक्षण के सम्बंध में भिन्न-2 मनोवैज्ञानिकों तथा समाजशास्त्रियों (sociologists) के विचारों के आलोक में निम्नलिखित गुणों या लाभों का पता चलता है:—

(i) विस्तृत क्षेत्र (Wider scope) :⇒ सर्वेक्षण विधि का क्षेत्र काफी व्यापक है। इसका उपयोग मनोविज्ञान के साथ-2 समाजशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, कृषि, अर्थशास्त्र, आदि क्षेत्रों में भी किया जाता है। इस प्रकार इसका क्षेत्र काफी व्यापक है। इसका उपयोग व्यवहारिक विज्ञान के सभी क्षेत्रों में विशेषज्ञों द्वारा किसी क्षेत्र की आवश्यकतानुसार किया जाता है।

(ii) बड़ी जनसंख्या के लिए उपयुक्त (Appropriate for large population) :- सर्वेक्षण विधि बड़ी जनसंख्या के अध्ययन के लिए प्रयोगशाला प्रयोग, क्षेत्र प्रयोग, तथा क्षेत्र अध्ययन से अधिक उपयुक्त तथा उपयोगी है। Kerlinger 2002 के अनुसार बड़ी जनसंख्या के मूल्यों, मनोवृत्तियों, तथा विश्वासों के विषय में सही सूचना प्राप्त करने के लिए यह प्रयोग विधि काफी उपयोगी है। इसके द्वारा 600 से 700 परिवारों के प्रदर्श का अध्ययन किया जा सकता है।

(iii) मात्रात्मक तथा गुणात्मक सूचनाएँ (Quantitative & qualitative information) :- इस विधि का एक गुण यह भी है कि इसके आधार पर मात्रात्मक सूचनाओं के साथ-साथ गुणात्मक सूचनाओं को प्राप्त करना सम्भव होता है। इस दृष्टिकोण से यह विधि दूसरी विधियों से अधिक उपयोगी है।

(iv) सैद्धांतिक तथा व्यावहारिक शोध (Theoritical & Practical research) :- सर्वेक्षण विधि का उपयोग समान रूप से सैद्धांतिक शोध तथा व्यवहारिक शोध के लिए सम्भव होता है। किन्हीं सामाजिक धारणाओं के सम्बंध में परिकल्पना (hypothesis) की जाँच के लिए प्रयोग विधि मौलिक शोध (basic research) अर्थात सैद्धांतिक शोध सम्भव हो सकता है। जैसे:- मानव जातिय पूर्वधारणा (ethnic prejudice) पर धार्मिकता (religiosity) के प्रभाव के सम्बंध में परिकल्पना बनाकर सर्वेक्षण विधि द्वारा उसकी जाँच की जा सकती है। इसी तरह इस विधि द्वारा व्यावहारिक शोध करके व्यवहारिक लाभ उठाया जा सकता है। जैसे:- सर्वेक्षण के आधार पर साम्प्रदायिक दंगे के कारणों की खोज करके इसे रोका जा सकता है और मानवता को रक्तपात (bloodshed) से बचाया जा सकता है, जो हर समाज का पुनीत कर्तव्य है।

(v) सामाजिक कल्याण के लिए सहायक (Helpful for Social Welfare)

सर्वेक्षण में सामाजिक कल्याण तथा सुधार में बड़ी सहायता मिलती है। भिन्न-2 प्रविधियों (technique) तथा विधियों (method) के द्वारा समाज के विभिन्न पक्षों के बारे में सर्वेक्षण करके प्राप्त सूचनाओं के आलोक में समाज सुधारकों तथा अधिकारियों को समाज के उत्थान एवं उन्नति के लिए आवश्यक कदम उठाने में सुविधा होती है।

(vi) सरकारी योजनाओं के लिए सहायक (Helpful for government plan) :-

सरकारी योजनाओं के निर्माण में सर्वेक्षण सहायक होता है। भिन्न-2 सर्वेक्षणों का उपयोग करके जनमत (Public opinion) की जानकारी प्राप्त करके किसी योजना का निर्माण करता है। जैसे :- हरिजनों या आदिवासियों के लिए आरक्षण (Reservation) की योजना को कायम रखा जाए या समाप्त कर दिया जाये। इसके लिए सर्वेक्षण द्वारा इस समस्या के सम्बन्ध में जनमत की जानकारी आवश्यक है। प्रजातांत्रिक सरकार की सुरक्षा के लिए यह जरूरी है।

(vii) लचीलापन (Flexibility) :- इस विधि में लचीलापन का गुण पाया जाता है। अध्ययन करनेवाला या सर्वेक्षक अपनी आवश्यकता के अनुसार अध्ययन-प्रणाली (Procedure) में परिवर्तन ला सकता है। वह अपनी सुविधानुसार प्रश्नावली साक्षात्कार, या आविष्कारिका (inventories) का उपयोग करके संबद्ध सूचनाएँ प्राप्त कर सकता है।

इस प्रकार स्पष्ट है कि सर्वेक्षण विधि के उपर्युक्त कई गुण हैं। अपनी इन्हीं गुणों के कारण इसका उपयोग मनोविज्ञान एवं समाजशास्त्र एवं अन्य क्षेत्रों में भरपूर किया जाता है।

— 0 —